Morgan's Evolution of Culture

मार्गन मूल रूप से एक मानवशास्त्री हैं। इनका जन्म अमेरीका के नगर न्यु यार्क में हुआ और इन्होंने ही America में मानवशास्त्र की बुनियाद रखी। इन्हें अनेक महत्वपूर्ण कार्य सांस्कृतिक उद्विकास के लिये जाना जाता है। समाजिक विचार धारा के क्षेत्र में 19 वीं शताब्दी के प्रारम्भ मे समाजिक उद्विकास की अवधारणा को प्रस्तुत करने के लिये दो महत्वपूर्ण समाजिक विचारकों का नाम लिया जाता है, जिन्हें Herbert Spencer तथा L.H. Morgan के रूप में जाना जाता है। इनमें से कौन सब से अधिक महत्वपूर्ण है इस बात की चर्चा करते हुए एक प्रसिद्ध British विचारक ने यह विचार दिया की 'Morgan was undoubtedly the greatest sociologist of the past century'.

Leslie A White ने यह विचार दिया कि 19 वीं शताब्दी में Spencer तथा Morgan में कौन सब से महान समाजशास्त्री था परन्तु इतना अवश्य है कि Morgan उनमें से एक महान समाज शास्त्री था।

अपने अवलोकना के आधार पर Morgan ने Theory of Cultural Evolution प्रस्तुत किया। उन्होंने आदिम समाजों की संस्कृति के गहन अध्ययन के द्वारा परिवार, नातेदारी, राज्य, राजनीतिक सत्ता, आदिम अर्थ व्यवस्था तथा आदिम धर्म आदि की विस्तृत विवेचना की है। अपने अध्ययनों के आधार पर उसने विभिन्न लेख प्रस्तुत किये जिनके आधार पर उसके ग्रन्थों की रचना की गई। इन लेखों के अतिरिक्त उसने अनेक भाषणों द्वारा भी अपने

विचार प्रस्तुत किये। यद्यपि इसने किसी university में रह कर शिक्षा नहीं प्राप्त की। इसने अपना जीवन एक अधिवक्ता के रूप में Rochester से प्रारम्भ किया। अपनी युवावस्था में ही कानून का अध्ययन करते हुए ही Iroquois Indian Society के अध्ययन द्वारा मानवशास्त्रीय अध्ययनों में अपनी रुचि प्रदर्शित करना आरम्भ कर दी थी।

जहाँ तक Morgan के सांस्कृतिक उद्विकासीय सिद्धान्त का सम्बन्ध है। उसने अपनी पुस्तक Ancient Society में समाज के विकास को सांस्कृतिक उद्विकास के आधार पर समझाने की कोशिश की है। और यह विचार भी दिया की यह संसार के सभी समाजों में एक स्वरूप पाई जाती है और एक समय में समाज एक समान स्तर पे तथा इसमें परिवर्तन भी समान रूप से उत्पन्न होता है इसलिये सभी समाजों में मनुष्यों की सोच एक समान ही होती है यही विचार Psychic Unity of Mankind के कारण पायी जाती है। विभिन्न स्तरों में सांस्कृतिक समानता के जो प्रमाण प्राप्त हुए हैं उसी के आधार पर Morgan इस बात की चर्चा की। E. B. Tylor ने जो सांस्कृतिक उद्विकास का सिद्धान्त प्रस्तुत किया है उसमें भी उसने इन्हीं स्तरों में समान्तर उद्विकास का वर्णन किया है।

Morgan ने संस्कृति के उद्विकास की विभिन्न अवस्थाओं की चर्चा की है।

(1) जंगली युग Savagery
(2) बर्बरता का युग Barbarism
(3) सभ्यता का युग Civilization.

Scanned with CamScanner

(3) Morgan

(1) जंगली अवस्था — Morgan ने इसे तीन उप अवस्थाओं में विभाजित किया है। इस अवस्था में भी Morgan ने प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में होने वाले परिवर्तनों के आधार पर तीन उप अवस्थाओं की चर्चा की है।

(a) निम्न अवस्था Lower Stage: Morgan के अनुमानुसार इस अवस्था में मनुष्य कंदमूल पर अपना जीवन यापन करता था। कामचलाऊ भाषा का भी विकास हो गया था जबकि कुछ विद्वानों ने इस बात से इनकार किया है।

(b) मध्य अवस्था Middle Stage:— Morgan के अनुसार Australia की अनेक जनजातियाँ आज भी इसी अवस्था में हैं। इस अवस्था की सबसे बड़ी उपलब्धि मछली का शिकार तथा आग का आविष्कार था। भाषा में शब्दों का विकास, तेज धार वाले हथियारों का उपयोग भी इसी अवस्था में प्रारम्भ हुआ।

(c) उच्च अवस्था Upper Stage: इस अवस्था में मानव ने शिकार के लिये धनुष एवं बाण का प्रयोग करना प्रारम्भ कर दिया था। Morgan ने इसे बर्बरता के युग की शुरुआत की भूमिका के रूप में स्वीकार किया है।

2. बर्बरता का युग Barbaric Stage: (a) इसमें मिट्टी के बर्तन बनाने की कला का प्रारम्भ हुआ। चाक का आविष्कार इसी युग की देन है। पाषाणकालीन प्रागैतिहासिक तथ्यों के आधार पर हम नव पाषाण काल को बर्बरता की प्रारम्भिक अवस्था के रूप में स्वीकार कर सकते हैं।

(b) मध्यम अवस्था Middle Stage: बर्बरता के युग को भी तीन उप अवस्थाओं में विभाजित किया है जैसे, Lower, Middle तथा upper stage कहा जाता है। मध्य युग की चर्चा करते हुए Morgan ने यह विचार दिया की इस stage में पशुपालन, स्थायी जीवन कृषि द्वारा खाद्यान्न का उत्पादन, सिंचाई तथा

(4)

Morgan

मिट्टी की ईंटों से मकान बनाने की कला का भी इसी युग में प्रारम्भ हुआ।

(6) इस अवस्था में लोहे को गलाने की विधि की खोज की गई। लोहे से हथियार बनाये गये और लड़ाइयाँ लड़ी गयीं। और बड़े बड़े साम्राज्य की स्थापना हुई। Morgan के अनुसार अनेक सामाजिक संस्थाओं का विकास भी इसी काल की देन है ~~कैसे~~ जैसे विवाह, धर्म, कला इत्यादि।

(3) सभ्यता का युग Age of civilization:

सभ्यता के युग का प्रारम्भ भाषा के अन्तर्गत ग्राम प्रणाली के प्रारम्भ से माना जाता है। Morgan ने सभ्यता के युग को विभिन्न उप अवस्थाओं में विभाजित न करते हुए केवल यह कहा कि सभ्यता के उदय से लेकर आज तक इस स्थिति का निरन्तर विकास हो रहा है।

—x—